Title: Need to set up a 'Trans Himalayan Development Authority' comprising of the states falling in the Himalayan Region.

श्री सुरेश चन्देल (हमीरपुर, हि.प्र.) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन और सरकार का ध्यान हिमालय की तरफ आकृष्ट करना चाहता हूं। हम सब जानते हैं कि सदियों से हिमालय देश की सुरक्षा का प्रहरी रहा है और हिमालय से इस देश को वायु और जल भी उपलब्ध होता है। हिमालय के बगैर हम इस देश की कल्पना नहीं कर सकते। हिमालय से हमारे देश को प्रचुर मात्रा में स्वच्छ जल भी प्राप्त होता है। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि हिमालय की देखरेख करने के लिए और वहां किस तरीके के इकोलोजिकल चेंजिज आ रहे हैं, इन सबका अध्ययन करने के लिए कोई विशेष संस्था हमारे देश में नहीं है। आज हिमालय में बहुत से इकोलोजिकल चेंजिज आ रहे हैं। वहां बहुत सारे लोग जाते हैं और वे वहां कूड़ा-कचरा फेंककर आ जाते हैं, जिसके कारण वहां कई तरह के परिवर्तन हो रहे हैं।

मैं सरकार से अनुरोध करना चाहता हूं कि हिमालय के विकास के लिए और वहां की देखरेख करने के लिए एक ट्रांस हिमालयन डेवलपमैन्ट अथॉरिटी की स्थापना की जाए। माननीय अटल बिहारी वाजपेयी जी ने हिमाचल प्रवास के दौरान 24 मार्च को इसकी घोषणा की थी। उसके बाद हिमाचल सरकार ने इस विषय को योजना आयोग के समक्ष उठाया था। योजना आयोग ने यह विषय रक्षा मंत्रालय के रीसैटलमैन्ट डिपार्टमैन्ट को सौंपा था और उन्हें एक एप्रोच पेपर तैयार करने के लिए कहा था। लेकिन अभी तक इस दिशा में कोई प्रगति नहीं हुई है। मैं कहना चाहता हूं कि मैंने कुछ दिन पहले पत्र भी लिखा था, जिसका मुझे उत्तर नहीं मिला है। मैं सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि हिमालय के महत्व को समझते हुए और जैसा कुछ लोगों का विचार है कि आने वाले समय में तीसरी लड़ाई पानी के लिए होगी, इस बात की गंभीरता को समझते हुए एक ट्रांस हिमालयन डेवलपमैन्ट अथॉरिटी का गठन जल्दी से जल्दी किया जाए। ताकि हिमालय की सुरक्षा के संदर्भ में जो लापरवाही हो रही है, उसे रोका जा सके।

MR. SPEAKER: Shrimati Paramjit Kaur Gulshan - not present.